XLRI IN NEWS

NOVEMBER 2016

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 14 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआई के मैनेजमेंट फेस्ट ऑन्सम्बल-16 का दूसरा दिन

कैंटीन वाले खूब नोट छाप रहे हैं – सौरभ पंत

आज नक्की अली का परफॉर्मेंस

सीमा ने कहा-बाधाओं से घबराओ नहीं

हमारा शो नेताओं के भाषण से ज्यादा असरदार नहीं-सौरभ पंत

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 8 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

अव्वल होने के लिए फिल्म अभिनेता रजनीकांत की तरह काम को एंज्वॉय करना जरूरी- मोहन

एक्सएलआरआई में आयोजित सिनर्जी-16 में तमिल अभिनेता रमन ने भावी मैनेजरों को बताए सफलता के गुर

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 22 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

26 को जेआरडी व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता होंगे आस्ट्रेलिया के फादर फ्रैंक

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई की ओर से 26 नवंबर को 25वां जेआरडी व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाएगा। जेआरडी टाटा की याद में बिजनेस इथिक्स पर होने वाली व्याख्यानमाला में इस साल वक्ता आस्ट्रेलियाई कैथोलिक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर फादर फ्रैंक ब्रेनाम होंगे। वे भारत के सतत् विकास में कानून की भूमिका पर व्याख्यान देंगे। मौके पर टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक और एक्सएलआरआई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन टीवी नरेंद्रन, एक्सएलआरआई के निदेशक फादर ई. अब्राहम, डीन (एकेडमिक) डॉ आशीष के. पाणि व टाटा चेयर प्रोफेसर फादर ओसवाल्ड मौजूद रहेंगे। फादर ई.अब्राहम ने बताया- एक्सएलआरआई कॉरपोरेट वर्ल्ड में हमेशा से ही मूल्यों का पैरोकार रहा है। हमारा मानना है किसी भी बिजनेस का सिलेबस एथिकल वैल्यू के बगैर पूरा न सकता। एक्सएलआरआई देश का पहला बि स्कूल है, जिसने अपने कोर्स में मैनेजेरियल इ को शामिल किया है।

फादर फ्रैंक का संक्षिप्त परिच

फादर फ्रैंक ब्रेनन जुसिएट प्रीस्ट हैं। वे आस्ट्रेलियन कैथोलिक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर हैं। मानवाधिकार को लेकर उन्होंने काफी काम किया है। 2017 में फ्रैंक कैथोलिक सोशल सर्विसेज आस्ट्रेलिया के सीईओ बनेंगे।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 14 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 16

'क्यों चलती है पवन' पर एक्सएलर्स में उठी हिलोरें

नक्की अली के गानों पर झूमने को मजबूर हुए भावी प्रबंधक, एक्सएलआरआइ में एनसेंबल-2016 का हुआ समापन

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 8 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

करिअर फेयर दिशा 16 | एक्सएलआरआई में स्कूली विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्र की हस्तियों ने दिए टिप्स

वह करो जो मन करे क्योंकि जिंदगी दोबारा नहीं मिलेगी- जीतू

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई के प्रोफेसर जीतू सिंह ने कहा जिंदगी ना मिलेगी दोबारा। इसलिए जो भी करो, पूरे मन से करो। एक्सएलआरआई की सामर्थ्य कमेटी की ओर से आयोजित करिअर फेयर दिशा-16 को संबोधित करते हुए सिंह ने जिंदगी को अपने जज्बे के साथ जीने की सलाह दी।

मौके पर माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली शहर की पर्वतारोही प्रेमलता अग्रवाल ने कहा अगर आपमें कुछ कर गुजरने का जज्बा और जुनून हो तो फिर उम्र कोई बाधा नहीं बनती। उन्होंने कभी सपने में नहीं सोचा था कि सात महादेशों की ऊंची चोटियां फतह करेंगी। यह इसलिए संभव हो पाया क्योंकि उन्होंने अपने जज्बे को परवाज दिया और किसी अंजाम की परवाह नहीं की।

ला ग्रेविटिया के संस्थापक अविनाश दुग्गर ने कहा कि कॉरपोरेट वर्ल्ड में लंबे समय तक काम करने के बाद यह अहसास हुआ कि वे जो करना चाहते हैं, वे नहीं कर पा रहे। फिर उन्होंने अपने दिल की आवाज सुनी और वह किया, जो उन्हें पसंद था। दुग्गर ने विद्यार्थियों से कहा वे उस क्षेत्र में अपना करिअर बनाएं, जिसमें उनकी रुचि हो। इस करिअर फेयर में विद्यार्थियों को मैनेजमेंट, फैशन, सामाजिक क्षेत्र, इकोनॉमिक्स, लिटरेचर, एडवरटाइजिंग, हिस्ट्री, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, साइकोलॉजी, सिविल सेवा, बैंक और रक्षा सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई।

दिशा-16 कार्यक्रम में संबोधित करते अतिथि।

इन स्कूलों के छात्र शामिल हुए

कारमेल जूनियर कॉलेज, डीएवी पब्लिक स्कूल, डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल, केरला समाजम मॉडल स्कूल, लोयोला स्कूल, मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल, नरभेराम हंसराज इंग्लिश स्कूल, सेंट मेरीज इंग्लिश स्कूल और राजेन्द्र विद्यालय।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 27 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई | जेआरडी व्याख्यानमाला में आस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटी के कानून के प्रोफेसर डॉ फ्रैंक ब्रेनान बोले

लोकतंत्र ने गरीबी-अमीरी के बीच खाई बढ़ाई

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

मानवाधिकार के क्षेत्र में काम करने वाले आस्ट्रेलियाई कैथोलिक यूनिवर्सिटी के कानून के प्रोफेसर डॉ फ्रैंक ब्रेनान ने कहा- बाजार मानव विकास की गारंटी नहीं दे सकता। एक्सएलआरआई के सिल्वर जुबिली जेआरडी ओरेशन (व्याख्यानमाला) में उन्होंने कहा- खुला बाजार (फ्री मार्केट) मानव के सामने उपस्थित चुनौतियों का समाधान नहीं दे सकता। वैश्वीकरण के इस दौर में डोनाल्ड ट्रंप की जीत से सीखने को कहा। कानूनी प्रतिबद्धता के बावजूद पश्चिमी लोकतंत्र हर नागरिक को बराबरी का हक देने में विफल रहा है। लोकतंत्र ने गरीबी और अमीरी के बीच फासले को बढ़ाया है। तकनीक ने इस फासले को और बढ़ा दिया।

आदिवासियों की जमीन को लेकर सरकार को संवेदनशील होने की जरूरत

डॉ फ्रैंक ने आदिवासियों की भूमि को कॉरपोरेट को देने पर सवाल उठाया। कहा- इसके बारे में सरकार को संवेदनशीलता से विचार करना होगा। बिजनेस के लिए आदिवासियों को उनकी जमीन से विस्थापित करना सही नहीं है। आज विकास के सामने आ रही ऐसी समस्याओं को लेकर राजनीतिक और संवैधानिक तौर पर विचार करने की जरूरत बताई।

कॉरपोरेट पर लगाम लगाने वाले रेगुलेशन बने

डॉ फ्रैंक ने कहा- हमें ऐसा कॉरपोरेट कल्चर बनाना होगा, जो हर नागरिक की बेहतरी में मददगार हो। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे रेगुलेशन (नियामक) बनाने पर जोर दिया, जो कॉरपोरेट की निरंकुशता पर अंकुश (लगाम) लगा सके। भारत का जीडीपी वर्ष 2005 से 2010 के बीच 1.8 से 2.7 फीसदी के बीच रहा, बावजूद यहां गरीबी काफी है। 300 करोड़ लोगों के पास बिजली नहीं पहुंची है।

भ्रष्टाचार और प्रदूषण दुनिया के सामने खतरा

डॉ फ्रैंक ने भ्रष्टाचार और पर्यावरण प्रदूषण को दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। दुनिया भर से कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए डॉ फ्रैंक ने जीवनशैली के साथ ही कोपेनहेगन और पेरिस समझौते पर विचार करने को कहा। इसके पहले स्वागत भाषण फादर ई. अब्राहम ने दिया। टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने मुख्य वक्ता डॉ फ्रैंक ब्रेनान को मेडल प्रदान किया। संस्थान के विद्यार्थियों ने विभिन्न सवाल भी पूछे।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 9 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

www.jagran.com

कालेधन की सफाई

आम आदमी को तकलीफ देने वाला और चौंकाने वाला फैसला है। सरकार पांच सौ और एक हजार के नोट वापस लेकर कालाधन पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रही है लेकिन इससे सफलता नहीं मिलने वाली है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने भी बड़े नोट पर बैन लगाया था। उस समय भी सरकार को बहुत सफलता नहीं मिली थी। कालाधन को लेकर राजनीतिक दलों की ओर से बड़ी-बड़ी घोषणाएं की गई थीं लेकिन इस दिशा में कुछ नहीं हुआ। अब जल्दबाजी व बिना सोचे समझे हवाबाजी में निर्णय लिया गया है। सरकार के इस फैसले के बाद लोग कालेधन को गोल्ड में बदल लेंगे।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 8 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

'दिशा-16' में छात्रों ने जानी कॅरियर की बारीकी

जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ में रविवार को सामर्थ्य के बैनर तले कॅरियर काउंसिलिंग फेयर 'दिशा-16' का आयोजन किया गया। इसमें शहर के डीएवी, डीबीएमएस, लोयोला, एमएनपीएस नरभेराम सरीखे कई शीर्ष स्कूलों के 150 छात्रों ने भाग लिया। छात्रों की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन पद्मश्री प्रेमलता अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में छात्रों को चुनौतियों के बारे बताया गया तो जीवन को सार्थक बनाने का लक्ष्य भी दिया गया। जिंदगी न मिलेगी दोबारा के थीम पर छात्रों का ध्यानाकर्षण किया गया तो वहीं प्रेमलता अग्रवाल ने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए अपने काम, जिम्मेदारी व शौक के बीच सामंजस्य स्थापित करने की प्रेरणादायी बातें बताई। इसमें छात्रों के साथ उनके अभिभावकों ने भी भाग लिया। इसमें कॅरियर से संबंधित विविध जानकारियां छात्रों व उनके अभिभावकों के साथ साझा की गई। उन्हें बीबीए, फैशन, बैंक पीओ, रक्षा समेत खेल व म्यूजिक के क्षेत्र में कॅरियर बनाने की जानकारी दी गई। दिशा में शामिल हुए छात्रों को एनसेंबल 2016 में भाग लेने का भी आमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम में अविनाश दुगर, फादर डेविड विंसेंट, संजीव वार्ष्णेय, जितेंद्र सिंह उपस्थित थे।

PUBLICATION: Hindustan Times, HT City
DATE: 26 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

Lucky Ali shares special bond with Jamshedpur

HT PHOTOS

Singer Lucky Ali was in Jamshedpur to perform at XLRI's annual cultural programme 'ensemble'.

Ali said that he has special attachment with the Steel City as his wife hails from Jamshedpur. It's culture, residents' approach towards each other and brotherhood among communities attracts him towards the city, he added.

The singer said that his visit to the city will be memorable as a member of his team met his sister after a gap of 25 years in Jamshedpur. XLRI students enjoyed his songs especially ek pal ka jina.

MANOJ CHOUDHARY

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 8 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

दिखा मैनेजमेंट का 'रजनीकांत स्टाइल'

- एजिस के ग्लोबल सीईओ संदीप सेन को सिनर्जी बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ जमशेदपुर में रविवार को 'सिनर्जी-16' का आयोजन किया गया। इसमें एजिस के ग्लोबल सीईओ सह कार्यकारी निदेशक संदीप सेन को सिनर्जी बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया। दिलचस्प बात यह कि इस सिंपोजियम में भावी मैनेजरों को मैनेजमेंट के 'रजनीकांत स्टाइल' के बारे में बताया गया। कहा गया कि फिल्मों में जिस तरह रजनीकांत को कोई हरा नहीं सकता, उसी तरह मैनेजमेंट व बिजनेस में भी हमें उस स्तर का रजनीकांत स्टाइल अपनाना पड़ेगा, ताकि हमारे आसपास भी कोई न आ सके। एक्सएलआरआइ के छात्रों को सिनर्जी-16 के जरिये विपरीत परिस्थितियों से जूझते सफलता की रणनीति बनाने के टिप्स देते हुए जाने-माने फिल्म अभिनेता मोहन रमण ने कहा कि रजनीकांत स्टाइल से हम दूसरों से अलग हो सकते हैं। उन्होंने कहा -'प्रतिस्पर्द्धा फॉलोवर्स के बीच होती है, इनोवेटर्स (अन्वेषक) के बीच नहीं। अगर आप अन्वेषक हैं तो आपसे किसी की कोई प्रतिस्पर्द्धा नहीं। आप रजनीकांत की तरह अजेय हैं, आपको कोई हरा नहीं सकता। दरअसल सिनर्जी-16 में एक्सएलआरआइ के भावी प्रबंधकों को 'तीव्र अवरोध के दौर में सफल रणनीति' बनाने के टिप्स दिये जाने थे। सिनर्जी का थीम भी इसी विषय पर केंद्रित था। इसमें संदीप सेन ने भी दो वाक्यों में सफलता की मंजिल हासिल करने की सीख दी। कहा-'आपको सही विकल्प का चुनाव करना होगा। आप अवरोध को अपने तक आने देंगे या आप खुद अवरोध की जड़ तक पहुंचेंगे। एक्सएलआरआइ की छात्र इकाई एएक्सआइओएम व क्रक्स की ओर से आयोजित सिनर्जी-16 को बेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप के प्रधान सलाहकार अरविंद राणा ने भी संबोधित किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में समस्याओं के तत्काल समाधान की कई थ्यूरी प्रस्तुत की। उन्होंने थ्यूरी ऑफ कॉन्सट्रेन (विवश करने की सिद्धांत) के संस्थागत सिद्धांत का उदाहरण देते हुए प्रॉब्लम सॉल्व करने के तरीके बताए। सिनर्जी सिंपोजियम में डेलॉइट के वरीय निदेशक जोयदीप दत्ता गुप्ता, केपीएमजी के एसोसिएट डायरेक्टर संदीप चटर्जी ने पैनल डिस्कशन में भाग लिया। उन्होंने रोजाना बदलती तकनीक के अवरोध से बचने के लिए खुद को हमेशा अपडेट रखने की जरूरत पर जोर दिया। समारोह में लिंडे इंजीनियरिंग ग्लोबल के पूर्व प्रबंध निदेशक श्रीकुमार मेनन ने अवरोध को इनोवेशन के रूप में इस्तेमाल करने की बात कही। समारोह में केस स्टडी के कई पेपर भी प्रस्तुत किये गये।

मोहन रमण को सम्मानित करते अतिथि। जागरण

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 6 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

बेहतर उत्पाद ही करेगी आपकी ब्रांडिंग : तुली

- एक्सएलआरआइ आइडियाकॉन में युवा उद्यमियों ने विद्यार्थियों को बताये सफलता के गुर

एक रिसर्च पेपर लिखने को होते हैं तीन-चार साल

आइडियाकॉन की खास बातें

शहर के युवक का थाईलैंड में जलवा

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 29 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

नोटबंदी से कालेधन पर होगा आंशिक असर : सेन

जागरण विमर्श में एक्सएलआरआइ के प्रोफेसर ने कालेधन पर रोक के लिए नोटबंदी को बताया नकाफी

ये भी बोले प्रो. प्रबाल सेन

नोटबंदी में सरकार ने की रणनीतिक चूक

प्रो. प्रबाल सेन।

PUBLICATION: Hindustan Times, HT C
DATE: 11 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

-SCHOOL STUDENTS GET LESSONS N LEADERSHIP

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 27 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

मोदी के कायल आस्ट्रेलियाई प्रोफेसर

एक्सएलआरआइ में जेआरडी टाटा व्याख्यानमाला में बोले फादर डॉ. फ्रैंक ब्रेन

इन्होंने भी किया संबोधित

एक्सएलआरआइ में जेआरडी टाटा व्याख्यानमाला में उपस्थित टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन, रुचि नरेंद्रन व अन्य।

कार्यक्रम में विचार रखते डॉ. फ्रैंक ब्रेनन।

व्याख्यानमाला में डॉ. फ्रैंक ब्रेनन के विचार सुनते एक्सएलआरआइ के छात्र व छात्राएं।

PUBLICATION: Hindustan Times, HT
DATE: 11 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

B-SCHOOL STUDENTS GET LESSONS IN LEADERSHIP

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 20 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

DEALING WITH DEMONETISATION

Ghatshila bizmen dump black money in Jan Dhan accounts

Small businessmen are playing this trick to convert their black money. The only way to stop this practice is by roping in the income tax department to monitor the deposits in banks

Bricks, stones replace men outside banks in Ramgarh

Petrol pumps dispense cash in Steel C

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 14 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एनसेबल के समापन समारोह में पहुंचे बॉलीवुड के पार्श्व गायक ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों पर देर रात तक नाचे विद्यार्थी

लकी अली के सुरों पर झूम उठा एक्सएलआरआई

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 22 November 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 2

XLRI hosts annual finance symposium

The finance association of XLRI recently hosted GNOSIS 2016 – the institute's annual finance symposium in Mumbai. The symposium is hosted every year by XLRI to promote a platform for interaction between academia and industry leaders. They discuss relevant issues and challenges faced by the industry as well as finding solutions. PS Jayakumar, MD & CEO, Bank of Baroda, delivered the keynote address at the summit on 'Changing Landscape of Banking and Financial Services'.

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 6 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

युवा उद्यमी अंशुमन भट्टाचार्य, बालाजी विश्वनाथन, अमित साहू, रजत तुली व फैजल अहमद ने रखे विचार

बेहतर उत्पाद स्वयं से कर लेता है ब्रांडिंग

जमशेदपुर | संवाददाता

बेहतर उत्पाद अपनी ब्रांडिंग और मार्केटिंग खुद कर लेता है। इसलिए कोई भी व्यवसाय करते समय उत्पाद की गुणवत्ता और पैकेजिंग पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। यह कहना था हैप्पली अनमैरेड के सीईओ रजत तुली का।

एक्सएलआरआई में शनिवार को आयोजित आइडियाकॉन-2106 में बतौर वक्ता रजत तुली ने कहा कि आज सोशल साइट उत्पादों के मार्केटिंग का सस्ता अवसर उद्यमियों को दे रहा है।

छोटे व्यवसायी भी दे रहे चुनौती : यही कारण है कि बड़े बिजनेस टाइकून और उनकी कंपनियों के उत्पाद को छोटे व्यवसायी भी चुनौती दे रहे है। बदलते वक्त के साथ उत्पाद, बाजार और उपभोक्ता तीनों से स्वभाव में अंतर आया है। आइडियाकॉन में जस्टराइड के सहसंस्थापक अमित साहू, क्यूरा मैन बालाजी विश्वनाथन, बीआईएस रिसर्च के सीईओ फैजल अहमद और सिबिया एनालेटिक्स एंड कंसलटिंग सर्विसेज के संस्थापक अंशुमन भट्टाचार्य ने भी अपने विचार रखें। इस दौरान काफी संख्या में एक्सएलआरआई के विद्यार्थी और शिक्षक मौजूद थे।

शुरुआत में ही परफेक्शन सही नहीं : रजत तुली ने कहा कि युवा उद्यमी व्यवसाय की शुरुआत में ही परफेक्शन न खोजें। उन्होंने बताया कि उत्पाद को उपभोक्ता के साथ जुड़ाव स्थापित करने वाला होना चाहिए, खासकर भारत के संदर्भ में तो इसमे देशीपन होना चाहिए। उद्यमी को साहसी बनना पड़ेगा।

आइडियाकॉन 2016

- उद्यमिता के अवसर और चुनौतियों पर उद्यमियों ने किया विचार साझा
- उत्पाद, बाजार और उपभोक्ता से स्वभाव में आया है अंतर

10 से अधिक युवा उद्यमियों ने रखे अपने विचार

एक्सएलआरआई की ओर से शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते छात्र-छात्राएं।

आइडियाकॉन की खास बातें

- उत्पाद में नयापन होना चाहिए
- बाजार को भांपकर उत्पाद बनाएं
- ई-बाजार और सोशल साइट ने दिया है युवा उद्यमियों को बड़ा बाजार
- किस वर्ग के लिए और क्या बना रहें है यह समझना जरूरी
- उद्यमी को साहसी होना पड़ेगा
- उद्यमी के लिए सीखने की प्रक्रिया
- बेहतर उत्पाद खुद को बाजार में स्थापित कर लेता है

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 8 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

सिनर्जी 2016 के दौरान एजिस के एक्सीक्यूटिव डायरेक्टर संदीप सेन को मिला बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड

सफलता के लिए भटकाव से रहें दूर : सेन

जमशेदपुर | संवाददाता

आप भटकाव को खुद तक पहुंचने देना चाहते है? या फिर खुद भटकाव का माध्यम बनना चाहते है? आज के युवा इस पर विचार करें। सफलता की राह में आज कई भटकाव और रुकावटे हैं। तकनीक भी आज भटकाव का एक बड़ा कारण है, यह कहना था एजिस के एक्सीक्यूटिव डायरेक्टर संदीप सेन का।

एक्सएलआरआई में रविवार को सिनर्जी-2016 के दौरान भटकाव के दौर में सफलता के रणनीति पर आयोजित कार्यशाला में बतौर वक्ता उपस्थित संदीप सेन ने कहा कि भटकाव और रुकावटों के बीच वहीं अपना मुकाम बना पाता है, जो लक्ष्य की ओर देखता है। कठिन मेहनत, नए विचार और तकनीक के सही इस्तेमाल से सफलता संभव है।

इस दौरान वेक्टर कंसलटिंग ग्रुप के प्रिंसिपल कंसलटेंट अरविन्द राणा ने समस्याओं के समाधान को लेकर व्याख्यान दिया। उन्होंने व्यक्तिगत समस्याओं के साथ ही संस्थागत समस्याओं के समाधान और नेतृत्वकर्ता के सामने आने वाले समस्याओं को लेकर सकरात्मक नजरिया से इसके निदान के रास्ते बताएं। वहीं केपीएमजी के वरीय निदेशक जॉयदीप दत्ता और डेलॉयट के सहायक निदेशक संदीप चटर्जी ने भटकाव के दौर में समाज की भूमिका पर विचार रखें।

हर रुकावट एक अविष्कार : लिंडे इंजीनियरिंग के पूर्व निदेशक श्रीकुमार मेनन ने कहा कि हर रुकावट एक अविष्कार है, पर हर अविष्कार एक रुकावट नहीं है। इस दौरान उन्हें कामकाज के दौरान अपने अनुभव एक्सलर्स से बांटे। वहीं अभिनेता और प्रबंधन प्रशिक्षक मोहन रमन ने कहा कि सफलता के दौरान आगे बढ़ना और सफलता को बरकरार रखना इसके लिए बहुत मेहनत और दक्षता की जरूरत है।

सकारात्मक

- भटकाव के दौर में सफलता के रणनीति पर हुई कार्यशाला
- सिनर्जी-2016 में एक्सलर्स को मिले सफलता के मंत्र

संदीप सेन को मिला अवार्ड

कार्यक्रम के दौरान एजिस के एक्सीक्यूटिव डायरेक्टर संदीप सेन को उनके बेहतरीन कार्य के लिए सिनर्जी बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया। मौके पर सेन ने कहा कि हर इंसान को जीवन का एक लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान संदीप सेन को अवार्ड देते प्रो. शरद शरीन • हिन्दुस्तान

जो अच्छा लगे, वही करो जो समझ में आए, वही पढ़ो

जो अच्छा लगे, वह करो। जो समझ में आए वही पढ़ो। इससे जीवन की हर कठिनाई दूर होगी। जी हां, एक्सएलआरआई के समार्थ्य टीम द्वारा आयोजित दिशा-2016 के करियर काउंसिलिंग कार्यशाला में वक्ताओं ने विद्यार्थियों को यही कहा। एक्सएलआरआई में रविवार को आयोजित दिशा-2016 में उपस्थित पर्वतारोही प्रेमलता अग्रवाल, फादर डेविड विन्सेंट, अविनाश दुग्गर, संजीव वार्ष्णेय और जितेन्द्र सिंह ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। वक्ताओं ने बच्चों को ईमानदारी से मेहनत करने, लक्ष्य के प्रति अडिग रहने, समय प्रबंधन करने की सीख दी। इस दौरान बच्चों को करियर के अलग अलग आयाम की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी गई। इस दौरान नरभेराम हंसराज, कारमेल जूनियर, डीबीएमएस, लोयोला समेत कई स्कूलों के 150 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया था।

PUBLICATION: The New Indian Express,Edex
DATE: 21 November 2016
EDITION: Chennai
PAGE: 12

XLRI hosts finance symposium

The Finance Association of XLRI recently hosted GNOSIS 2016 — XLRI's Annual Finance Symposium in Mumbai. The theme for this year's event was *Changing Landscape of Banking and Financial Services*. The symposium is hosted every year by XLRI to promote a platform for interaction between academia and industry leaders to discuss relevant issues and challenges faced by the industry as well as finding solutions to them. P S Jayakumar, MD and CEO, Bank of Baroda delivered the key note address at the summit. This was followed by a panel discussion on asset quality challenges and capital adequacy issues faced by Indian banks by four eminent panelists. The second panel discussion was on FinTech and its various implications.

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 14 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

XLRI's Ensemble 2016 concludes on euphoric note

PNS ■ JAMSHEDPUR

The third and final day of XLRI's annual national management conclave, Ensemble, saw a perfect amalgamation of competitive spirit and festive enthusiasm as participants, students and organisers geared up for the last run of events.

Leading the line-up of events was The Next Gen Leader – the biggest leadership event and flagship event of Ensemble 2016 which saw carefully handpicked participants from the top B schools fight it out in an intense battle for the leader with the most promise to emerge victorious. Yogesh, a second year student of XLRI emerged as a winner bagging the mega prize of ₹1 lakh.

Circus Maximus, the flagship marketing event organised in association with the Marketing Association at XLRI and Prometheus, the flagship finance event conducted their final round which saw some of the most creative minds use their wits and marketing prowess to impress the judges. While the former saw Cereal Killers, a team from MICA as the winners, the latter was won by Ayushi Gupta and Anirban from IIMC.

The domain event of HR, namely Apollo, conducted its final round and saw teams attempting to address various HR & IR issues. The flagship entrepreneurship event, Genesis. With the Entrepreneurship cell, also conducted its final round on the last day.

Model United Nations was held in XLRI for the second straight year. The delegates were given a chance to articulate their country's stand (within 90 seconds) on the issue before the council. This was followed by two rounds of moderated caucus of 20 minutes each.

Dracula, the dramatics and cultural association at XLRI kept the crowds engaged with events like Face Painting, Dumb Charades etc. Infrastructural Committee conducted MasterChef, the fun event with a huge number of participants trying out their cooking skills.

The Idea Summit continued for Day three with Nikhil Chandwani as the speaker. Nikhil is a well-known author, filmamker, hollywood documentary director and a script writer. He spoke about his experiences with crisis reporting, specially the Syrian crisis. The audience interacted with him over various matters and discussed the issues of terrorism and international security. In the session, Nikhil also spoke about careers in unconventional field and how terrorism is strengthening its roots.

The biggest highlight of the day was the much awaited Lucky Ali concert. Lucky Ali sang his well-known songs and amazed the crowd that was already filled with enthusiasm.

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 27 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

उद्योग, समाज व विकास के बीच समन्वय जरूरी : डॉ. फ्रैंक

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 28 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

JRD TATA ETHICS ORATION ON BUSINESS ETHICS

Brennan emphasises on need for better corporate environment

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 22 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

Australian university Prof to deliver JRD Tata Oration on Business Ethics

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI- Xavier School of Management is all set to organise the 25th 'JRD TATA Oration on Business Ethics' on November 26 at XLRI campus.

Father Frank Brennan, SJ, Professor of Law, Australian Catholic University will deliver the address. He would deliver the oration on the topic 'The Placement of International Law in seeking Sustainable Development for India: Some Ethical Reflections'.

Fr E Abraham, SJ Director, XLRI commented, "XLRI has always placed on the forefront, the importance of pursuing an ethical code of conduct in the corporate world. We believe that no management education curriculum is really complete, unless and until the students are instilled with a set of abiding values - that are indispensable ingredients for any aspiring business leader in today's world. XLRI is the first B-school in the country to introduce a core course on "Managerial Ethics" for both its HRM and BM programmes. Each year, XLRI ... student in Managerial Ethics at the institute's annual convocation."

"We are extremely happy to have Fr Frank Brennan, SJ deliver the oration on the 25th Year of JRD TATA Oration on Business Ethics' and inspire our students with his thought-provoking words. XLRI has been organizing the 'JRD Tata Oration on Business Ethics' for our students to listen to their role models and leaders and understand the need and ... ness as well as inspire them to follow these ethical codes of conduct in their professional and personal lives", he added.

XLRI-Xavier School of Management, in association with a few select Tata Group Companies, established in 1991 the XLRI - JRD Tata Foundation in Business Ethics, to mark their long-standing commitment and contribution to business ethics in India. The foundation seeks to address itself by publicly affirming the urgent need for ethics in business and the need to bring about a conducive culture in which it can thrive.

Fr Frank Brennan, SJ is a Jesuit priest, professor of law at Australian Catholic University and Adjunct Professor at the Australian Centre for Christianity and Culture, Australian National University College of Law and the National Centre for Indigenous Studies. He is the National Director of Human Rights and Social Justice for Jesuit Social Services, and superior of the Jesuit community at Xavier ...

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 14 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

ऑन्सेंबल का रंगारंग समापन

इक पल का जीना फिर तो है जाना..

योगेश शर्मा को मिला नेक्स्ट जेन लीडर अव

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 6 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 21

एक्सएलआरआइ. आइडियाकॉन-2016 का आयोजन

बेहतर प्रोडक्ट को नहीं है मार्केटिंग की जरूरत

एक्सएलआरआइ में आइडियाकॉन में मंचस्थ अतिथि.

कार्यक्रम में भाग लेते प्रतिभागी विद्यार्थी.

ये बातें उभर कर सामने आयीं

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 8 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 11

एक्सएलआरआइ में सिनर्जी-2016 कार्यक्रम का आयोजन

डिजिटल युग में कंपनियां बदल रही हैं पॉलिसी

रिसर्च जरूरी है : वार्ष्णेय

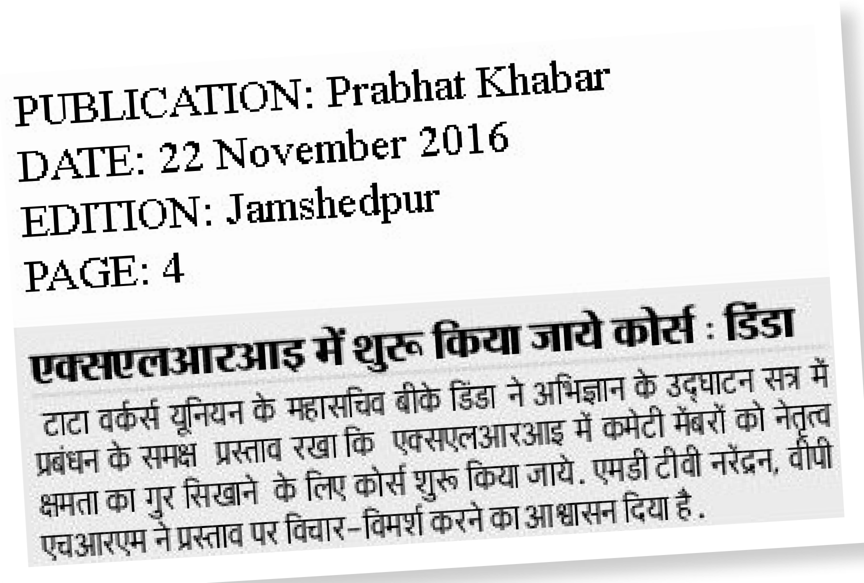
PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 22 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआइ में शुरू किया जाये कोर्स : डिंडा

टाटा वर्कर्स यूनियन के महासचिव बीके डिंडा ने अभिज्ञान के उद्घाटन सत्र में प्रबंधन के समक्ष प्रस्ताव रखा कि एक्सएलआरआइ में कमेटी मेंबरों को नेतृत्व क्षमता का गुर सिखाने के लिए कोर्स शुरू किया जाये. एमडी टीवी नरेंद्रन, वीपी एचआरएम ने प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करने का आश्वासन दिया है.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 27 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

एक्सएलआरआइ में ऑस्ट्रेलियन कैथलिक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ फ्रैंक ब्रेनन ने दिया व्याख्यान

2005 से 2010 के बीच सबसे ज्यादा विकास किया भारत ने

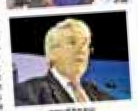

PUBLICATION: Prabhat
DATE: 29 November 2016
EDITION: Pune
PAGE: 9

मुंबई : एक्सएलआरआय- झेव्हियर्स व्यवस्थापन संस्थेत उद्योगातील नैतिकता या विषयावरील जेआरडी टाटा व्याख्यानमालेचे पुष्प या क्षेत्रातील तज्ज्ञ फ्रँक ब्रेनान यांनी गुंफले. यावेळी संस्थेच्या संचालक मंडळाचे अध्यक्ष टीएडी नरेंटन तसेच संस्थेचे ई.अब्राहम उपस्थित होते.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 14 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

XLRI's Ensemble 2016 co

Student of XLRI wins me

Jamshedpur: The third and final day of XLRI's annual national management conclave, Ensemble, saw a perfect amalgamation of competitive spirit and festive enthusiasm as participants, students and organisers geared up for the last run of events.

Leading the line-up of events was The Next Gen Leader - the biggest leadership event and flagship event of Ensemble 2016 which saw carefully handpicked participants from the top B schools fight it out in an intense battle for the leader with the most promise to emerge victorious. Yogesh, a second year student of XLRI emerged as a winner bagging the mega prize of 1 lakh rupees. Circus Maximus, the flagship marketing event organized in association with the Marketing Association at XLRI and Prometheus, the flagship finance event conducted their final round which saw some of the most creative minds use their wits and marketing prowess to impress the judges. While the former saw Cereal Killers, a team from MICA as the winners, the latter was won by Ayushi Gupta and Anirban from IIMC.

The domain event of HR, namely Apollo, conducted its final round and saw teams attempting to address various HR & IR issues. The flagship entrepreneurship event, Genesis. With the Entrepreneurship cell, also conducted its final round on the last day.

Model United Nations was held in XLRI for the second straight year. The delegates were given a

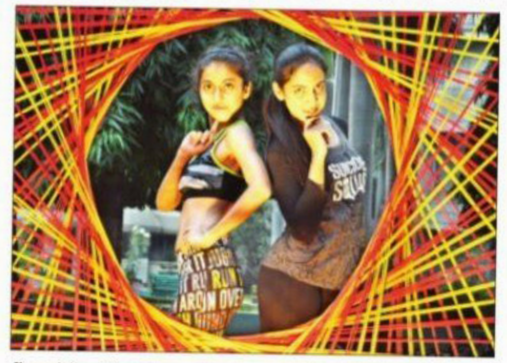

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 22 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Australian Law Professor to deliver JRD Tata Oration on Business Ethics

Jamshedpur : XLRI-Xavier School of Management is all set to organise the 25th 'JRD TATA Oration on Business Ethics' on November 26 at XLRI campus.

Father Frank Brennan, S.J., Professor of Law, Australian Catholic University will deliver the address. He would deliver the oration on the topic 'The Placement of International Law in seeking Sustainable Development for India: Some Ethical Reflections'.

Fr. E Abraham, S. J, Director, XLRI commented, "XLRI has always placed on the forefront, the importance of pursuing an ethical code of conduct in the corporate world. We believe that no management education curriculum and until the students are instilled with a set of abiding values - that are indispensable ingredients for any aspiring business leader in today's world. XLRI is the first B-school in the country to introduce a core course on "Managerial Ethics" for both its HRM and BM programmes. Each year, XLRI confers a medal on the best student in Managerial Ethics at the institute's annual convocation."

"We are extremely happy to have Fr. (Dr.) Frank Brennan, S.J. deliver the oration on the 25th Year of JRD TATA Oration on Business Ethics' and inspire our students with his thought-provoking words. XLRI has been organizing the 'JRD Tata Oration on ... dents to listen to their role models and leaders an understand the need an importance of ethics i business as well as inspir them to follow these ethica codes of conduct in thei professional and persona lives", he added.

XLRI- Xavier School o Management, in associatio with a few select Ta Group Companies, estab lished in 1991 the XLRI JRD Tata Foundation i Business Ethics, to mar their long-standing com mitment and contribution t business ethics in India The foundation seeks t address itself by publicl affirming the urgent nee for ethics in business an the need to bring about conducive culture in whic it can thrive.

Fr. (Dr.) Frank Brennan S.J. is a Jesuit priest, pro fessor of law at Australia Catholic University an Adjunct Professor at th Australian Centre fo Christianity and Cultur Australian Nation University College of La and the National Centre f Indigenous Studies. He i the National Director o Human Rights and Soci Justice for Jesuit Soci Services, and superior o the Jesuit community i

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 2 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI's Ensemble 2016 all set with the highest prize money ever

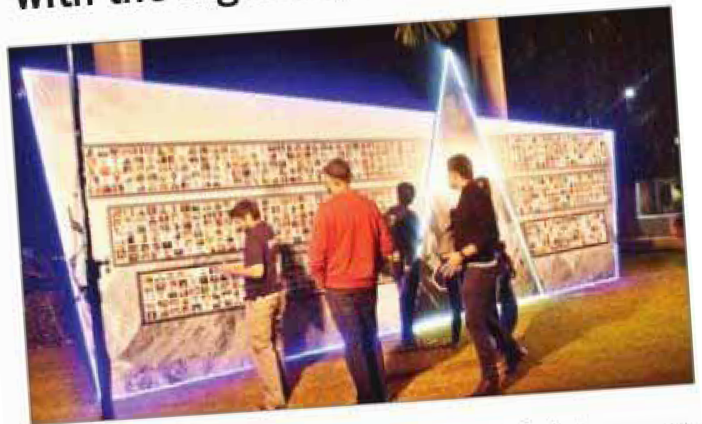

Jamshedpur, Nov. 01: With a legacy of sixteen years, the annual management festival of XLRI Jamshedpur, Ensemble 2016, is back and this time with highest prize money ever.

The fest will be conducted from November 11 to 13. A plethora of online events, on-campus festivities and leadership talks have been lined up. With a prize money of Rupees 17 Lakhs, Ensemble is ready to host the brilliant minds on XLRI campus to compete and lead the theme of 'Be the Business'.

Shubham Choudhary, Ensemble core team member, said that IGNITO, the theme launch of Ensemble 2016, took place amid exclusive events and spot games and brought in the essence of the inauguration of the theme which essentially inspires one to be the best. With the pre-event rounds and flagship events taking place in full swing, Ensemble has already seen participation from over 2000 teams of top-notch B-schools, undergraduate colleges and schools.

"As on one hand the Next-Gen Leader event is ready to hone the skills of the next league of leaders by encouraging the amalgamation of theory and learning. On the other hand, the Future Leaders Program event is based on nurturing the young talent to get inspired by famous personalities and take up managerial roles. The Idea Summit is reignited this year and it follows the same league of engaging speakers and audiences into transformational idea exchange to drive the Ensemble's theme of pursuing excellence" he noted.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 6 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

'Starting a great company is like starting a religion'

Entrepreneurs share success stories at IdeaKon '16

Jamshedpur, Nov. 5: Entrepreneurship Cell, XLRI Jamshedpur organized the 3rd edition of their highly successful flagship event IdeaKon on 5th November 2016 which attracted a large crowd interested in listening to the enthralling tales of entrepreneurs who have made big in life. IdeaKon is a speaker cum networking event where entrepreneurs share their experience and journey with entrepreneurial enthusiasts and aspirants and also interact with them informally.

The speaker list included Rajat Tuli, founder-director of Happily Unmarried; Angshuman Bhattacharya, founder & CEO of SIBIA Analytics; Faisal Ahmad, founder & CEO of BIS Research; Balaji Viswanathan, founder of Zingfin and NalandaU also the most followed person on Quora, Amit Sahu co-founder of JustRide.in and Saurabh Kocchar CEO of Food Panda.

The event started with Mr. Tuli who emphasized on focusing more on the product part of the business. He also shared some of his products and funny stories behind them and advised businesses to never underestimate a customer. Amit Sahu shared ups and downs of his journey and the fact that it is important to create a risk taking attitude which can be done only when one has considered the worst case scenario and they are not afraid of it.

Balaji Viswanathan compared starting a great company with starting a religion. He also related startups with political movement and gave multiple supporting examples indicating that many companies which are running successfully for a long time have a cult in them.

The event attracted audience from multiple colleges and we were delighted to see such enthusiasm shown by the audience to hear the stories of our speakers and interact with them.

We are sure that the audience were benefitted by the journey of our speakers and we would continue to organize more of such events to create an environment of entrepreneurship in Jamshedpur, said a Senior Executive Member of E-Cell. E-Cell also organized a startup quiz in August which was highly successful in garnering over 100+ participation across colleges and schools.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 8 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

Jamshedpur school students explore options at career counseling fair

XLRI students organize 'Disha '16' to provide carrier guidance

Jamshedpur, Nov. 7: Students of XLRI under the banner of Samarthya - The Human Potential Centre, a student body dedicated to the cause of the development of potential of school children of Jamshedpur, organized 'Disha '16' on the B-school campus grounds to provide career guidance to students.

Disha, the career counseling fair, was attended by over 150 students from class IX to XII along with their parents. Children from all major schools such as Carmel Junior College, DAV Public School, DBMS, KSMS, Loyola, MNPS, Narbheram Hansraj High School, St. Mary's English High School & Rajendra Vidyalaya participated in the event and were visibly engaged by the many speakers arranged for by Samarthya.

The event opened with the lighting of the ceremonial lamp by the chief guests Padma Shri awardee Premlata Agarwal, La Gravitas founder Avinash Dugar, Fr. David Vincent and XLRI Faculty ... Jitendra Singh. Each of the distinguished judges tried to impress upon the children the values of hardwork, dedication and focus. Professor Jitendra Singh, enthused the children with the motto of "Zindagi na milegi dobara" and exhorted them to not take the beaten path, but to find something which truly motivates and pushes them towards excellence. Mrs. Premlata drew parallels from her life, where she balanced her work as a ... her passion as a mountaineer, and eventually became the first Indian woman mountaineer to scale the Seven Summits, the seven highest continental peaks of the world. Avinash Dugar, stated how he shifted to his true calling and passion, after years of corporate service and how doing what one truly loves, energizes and helps create something truly extraordinary. Fr. David Vincent was instrumental in counselling ... of career selection during the career counseling fair.

Disha 2016 saw a lot of enthusiasm from the participating students as well as parents in talking to students of XLRI from diverse career streams present in over 20 kiosks set up for easy interaction. The participants had their queries addressed by the counsellors for various career options that ranging from Science and Research, BBA/BBS, Fashion, Social Sector, Economics, ... History, IT, Electronics and Instrumentation, Psychology, Economics, Civil Services, Bank PO, Defense Forces to Sports and Music.

Smriti, one of the conveners of Samarthya seemed happy with the response of the participants and said, "It is so great to see students having their doubts cleared by people they can easily talk to. I wish I had been able to receive similar guidance at school level.

That is why, we at Samarthya, have been working hard to provide some guidance to school students of Jamshedpur."

However, the opportunity and fun for the students does not end with Disha. Samarthya in association with Ensemble -2016, the biggest management festival in India, is organizing "Back to the roots", a quizzing extravaganza at 9 AM on 13th November 2016 at Tata Auditorium, XLRI. It will be a great opportunity for the school students of Jamshedpur to showcase their general knowledge and love for quizzing

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 8 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

Aegis CEO conferred with Synergy Business Ex

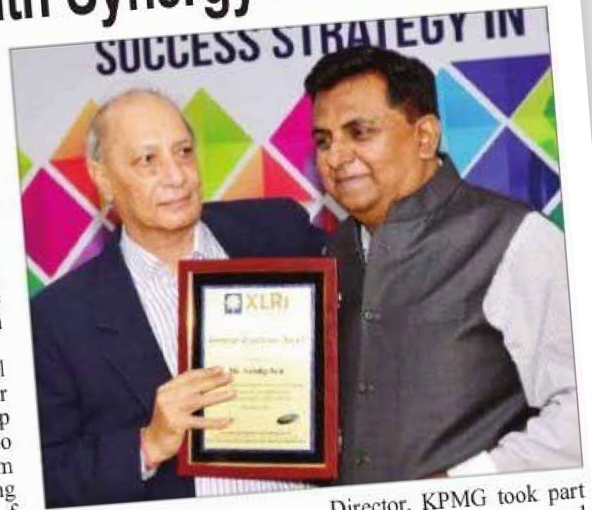

Jamshedpur, Nov. 7: XLRI hosted "Synergy 2016" its annual operations and strategy symposium on Sunday, November 6 in its Jamshedpur campus.

The symposium was organized jointly by AXIOM (Operations Society) and CRUX (Consulting Society) of XLRI; and brought together industry stalwarts, policy makers and entrepreneurs from across the nation to discuss their views.

Keeping in mind the fast-paced environment and disruption in the industrial domain by new age companies, Sandip Sen, Global CEO and Executive Director, Aegis Limited set the stage by giving his views on the theme for Synergy 2016 - "Success Strategy in the Age of Rapid Disruptions". He was conferred with Synergy Business Excellence Award and ended his talk by posing a thought provoking question for the audience - "You need to choose. Will you let the disruption come to you or will you become the source of disruption itself?"

Arvind Rana, Principal Consultant, Vector Consulting Group challenged introduced us to systems way of problem solving by institutionalising the principles of Theory of Constraints. He also discussed diverse topics ranging from Degree of freedom to Fish Bone Analysis to Loss Leadership.

Joydeep Datta Gupta, Sr. Director and Partner, Deloitte, Mr Sandeep Chatterjee, Associate Director, KPMG took part in an eminent panel discussion on "Success Strategy in the Age of Rapid Disruptions"

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 26 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI'S Ensemble 2016 organises the largest school quiz in Jamshedpur

Loyola School crowned winner of 'Back to the Roots'

Jamshedpur, Nov. 25: The brightest young brains of Jamshedpur converged at XLRI campus for "Back to the Roots", a quizzing extravaganza organized by Samarthya - The Human Potential Centre under the banner of Ensemble 2016, the biggest management festival of the country, in the second week of November.

The quiz was held in the historic Tata Auditorium with more than 170 enthusiastic school students from 24 schools of Jamshedpur, cheering 50 teams of three members each, representing their schools in this ultimate combat for glory.

There were quite a few different rounds of questions, which gave opportunity to all the avid young quizzers to try out their skill. The audience and the participants loved the quizmasters Yugal and Tarun alike for engaging them and enthralling them with their ripostes. Audience also got a chance to grab Ensemble 2016 goodies and passes for the Lucky Ali concert held at Ensemble, by answering audience questions. After grilling yet interesting and fun rounds of questions, team from Loyola emerged victorious in this battle of quizzing supremacy in Jamshedpur. Prizesworth INR 50,000 were offered to

This was the first ever quiz of its kind organized by Samarthya for students in Jamshedpur and the organizers were extremely heartened by the success of the event. Jeneffer, one of the conveners of Samarthya, happily said that they were overwhelmed by the response from all Jamshedpur schools and would definitely organize

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 27 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI hosts 25th Annual JRD Tata Ethics Oration on Business Ethics

Frank Brennan emphasizes on need for better corporate environment

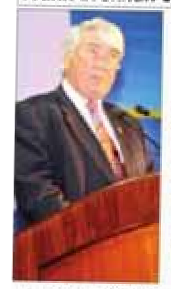

Jamshedpur, Nov. 26: XLRI- Xavier School of Management, today hosted the 25th Annual JRD Tata Oration on Business Ethics. Fr. (Dr.) Frank Brennan, S.J., Professor of Law, Australian Catholic University delivered the oration at the Tata Auditorium at XLRI Campus. In his oration, Fr. Frank Brennan delved on the topic of - "The Placement of International Law in seeking Sustainable Development for India: Some Ethical Reflections".

In the speech, he said, "My thesis this evening is that no matter what the economic, political and legal problems are confronted by modern day India, these problems can be better addressed and answered by a consideration of the profound truths and insights of all the religious traditions represented in this country. An application of the key principles and norms developed in the international law of trade and human rights, helping to enunciate the realm of law, regulation and political accountability, enhancing public scrutiny, providing the right environment for doing business, and that no matter how well developed the regulatory machinery, no matter how elaborate the constitutional separation of powers and the legislative provisions for accountability, there will always be a place for and a value-add from the national culture, corporate ethos and personal character. Thus there is a need to ensure that the national and ethnic cultures are sufficiently open to international influences and sufficiently grounded in the goodness and the daily concerns of the ordinary citizen. There is a need to create the right corporate ethos and an appropriate business environment, particularly in a country which is still ranked 130th in the global ratings for ease of business investment.

He pointed out, "The development of national laws and policies needs to be contoured by sufficient regard for the principles and values enunciated in international law. Laws and policies cannot be fully integrated into the life of the community unless the lawmakers and the policy makers are finely attuned to all that is noblest in their cultures and in their religious and philosophical traditions."

He observed, "International law does not provide the answers for sustainable development in India. But there are piecemeal international developments which should assist Indian citizens and Indian decision makers at the cabinet table and in board rooms to make better decisions informed by all that is best in your religious traditions, in your national cultures, in the corporate cultures, being true to the people's noblest sense of themselves and faithful to the character each of us is called to be and develop."

The session was attended by Mr. T. V. Narendran (Chairman, Board of Governors, XLRI & MD, Tata Steel Limited), Fr. E. Abraham, S. J. (Director, XLRI), Dr. Ashis K. Pani (Dean [Academics], XLRI) and Fr. Oswald Mascarenhas, S.J. (JRD Tata Chair Professor of Business Ethics at XLRI).

In his welcome address, Fr. E. Abraham, S. J., Director of XLRI said, "Ethics in most socio-economic contexts runs parallel to law and shows due consideration to others' rights and interests in a civilized society. Ethics is a part and parcel of all disciplines of management like accounting, information technology, human resource management, sales and marketing, production, intellectual property rights etc. Globalisation has further complicated the ethical issues in business. Corporations have entered a new era, the "prove it to me" era. There is an increasing expectation from stakeholders for businesses not only to say they are ethical, but to prove they have ethical values embedded throughout their organisation.

The culture of an organisation is set by the tone at the top. Chief executives must lead by example. The senior management also needs to be trained to develop ethical sensitivity - an understanding of fairness, openness, transparency, integrity, responsibility to others and the ability to recognise conflicts of interest. Remaining ethical is not a static issue. It requires review and evaluation. Companies need to occasionally review their priorities and make necessary alterations. Otherwise, their standards and training become obsolete."

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 29 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI students distribute blankets

Jamshedpur: A team of XLRI Jamshedpur today distributed blankets among the destitute in different localities of the city. Most of the beneficiaries included those earning a living through scavenging. A total of 250 blankets were distributed at Gayatri Shiksha Niketan School, Adityapur. The students who participated in the event included Anchal, Akshay, Anshuman, Anurag, Arnab, Ayush, Bindu, Raman, Ruchika, Shashi, Soma and Swarup.

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 23 November 2016
EDITION: Bangalore
PAGE: 15

eSTARTUPS

Tech-enabled platform JustLikeNew promises transparency in the unorganised device services and repair space

We are committed to constant innovation and the funds raised will primarily be utilised to penetrate deeper into the target cities.

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 2 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

XLRI's Ensemble 2016 all set with the highest prize money ever

PNS ■ JAMSHEDPUR

With a legacy of sixteen years, the annual management festival of XLRI Jamshedpur, Ensemble 2016, is back and this time with highest prize money ever.

The fest will be conducted from November 11 to 13. A plethora of online events, on-campus festivities and leadership talks have been lined up. With a prize money of ₹ 17 lakhs, Ensemble is ready to host the brilliant minds on XLRI campus to compete and lead the theme of 'Be the Business'.

Shubham Choudhary, Ensemble core team member,

said that IGNITO, the theme launch of Ensemble 2016, took place amid exclusive events and spot games and brought in the essence of the inauguration of the theme which essentially inspires one to be the best. With the pre-event rounds and flagship events taking place in full swing, Ensemble has already seen participation from over 2000 teams of top-notch B-schools, undergraduate colleges and schools.

"As on one hand the Next-Gen Leader event is ready to hone the skills of the next league of leaders by encouraging the amalgamation of theory and learning. On the other hand, the Future Leaders Programme event is based on nurturing the young talent to get inspired by famous personalities and take up managerial roles. The Idea Summit is reignited this year and it follows the same league of engaging speakers and audiences into transformational idea exchange to drive the Ensemble's theme of pursuing excellence," he noted.

XLRI to host first national HR-IR

Jamshedpur, Nov. 3 : B-school XLRI is organising the 1st ever national HR-IR conference the December 3 and 4. The conference will be jointly conducted by the Students Association for Promotion of Personnel Management, Human Resources and Industrial Relations (SAPPHIRE) and the Forum for Industrial Relations at XLRI (FIRE@X).

The idea is to provide a platform for the bigwigs from various industries, academicians and legal practitioners to discuss and

debate on the various challenges in India's HR-IR landscape, on the lines of this year's theme: Dynamics of HR-IR: Realigning skills, systems and practices in the face of globalization.

"We are curr era where eve access to inform open sources in domain to paid research firms. Analytics is

PUBLICATION: The Hindu
DATE: 23 November 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 16

Employers, workers left in a quandary

Cheques may force employers to grant statutory benefits

Arun S

NEW DELHI: The sudden demonetisation policy and the consequent cash crunch have resulted in unusual repercussions for employers and wage workers.

Employers are worried that once the wages of the seasonal, migrant, casual, temporary workers – whom they usually hire without a legal contract – are paid through cheque or direct deposits in bank accounts, it could be treated as 'proof of employment'. This could then help such workers to claim that they should technically be considered as part of the payroll and be made eligible for statutory benefits.

On the other hand, labourers, many of whom belonging to the Below Poverty Line (BPL) category, fear that they might lose various benefits provided by the government for the poor (including food security-related, pension, medical treatment, as well as benefits meant for the girl child and economically weaker sections) if it is found that the wages getting credited in their bank accounts are more than the stipulated income thresholds for availing such benefits.

Employment proof

Wage payment in cash meant employers and workers did not have to lose sleep over such concerns before the demonetisation exercise. These apprehensions were voiced by representatives from various export segments, including from labour-intensive sectors such as agriculture, leather, textiles, carpets, handicrafts and engineering, during a meeting with the commerce ministry officials on Tuesday, official sources told *The Hindu*.

NOT INCLUSIVE: About 75% of India's 474 million workers are not covered by written legal contracts. — FILE PHOTO

Labourers in the BPL category fear that they may lose state benefits meant for the poor

Out of India's total workforce of about 474 million, about 75 per cent do not have written legal contracts and about 80 per cent do not get any social security benefits. "The demonetisation policy has severely affected the workers covered by the cash economy," said K.R. Shyam Sundar, professor, Human Resource Management, XLRI.

"If the situation leads to workers getting paid only through their bank accounts, they can show that as 'proof of employment' to claim statutory benefits including those related to the Employee's State Insurance Corporation (ESIC), Employees' Provident Fund (EPF), accident compensation and maternity."

He added that in the long-term, trade unions can take this as an agenda for further agitation to regularise wage payments across the country.

Short-term focus

However, Mr. Sundar said, workers generally consider only short-term benefits, and to ensure more disposable income with them, they tell their employers not to pay them wages through cheque or through the banking channel as they do not want any deductions from their wages or salary towards EPF and ESIC benefits. Moreover, since most of these workers constantly shift places of work, contractors and employers, they also do not trust the EPF and ESIC systems and prefer cash payments.

Anjali Bhardwaj, founder of the NGO 'Satark Nagrik Sangathan', said demonetisation and the ensuing wage payments through the banking channel could lead to discussions on whether there is under-reporting of wages and if some workers with higher wages would lose benefits granted by the government including under the Food Security Act.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 23 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

Law prof to grace ethics oration

OUR CORRESPONDENT

XLRI in Jamshedpur is all set to organise the 25th JRD Tata Oration on Business Ethics this Saturday.

The prestigious oration will be graced by Father Frank Brennan, professor of law, Australian Catholic University who will speak on "The Place of International Law in Seeking Sustainable Development for India: Some Ethical Reflections" at XLRI's Tata Auditorium.

"The objective behind organising the oration is to make our students listen to their role models and leaders so that they understand the need of ethics in business and get inspired to follow these ethical code of conduct in their professional lives," said Father E. Abraham, the director of XLRI.

XLRI Xavier School of Management, in association with a few select Tata Group companies, established the XLRI JRD Tata Foundation in Business Ethics in 1991 to mark their longstanding commitment and contribution to business ethics in India.

The foundation seeks to publicly affirm the importance of ethics in business and the need to bring about a conducive culture in which it can thrive.

The activities that are envisaged by this foundation are the annual JRD Tata Oration on Business Ethics, recognition and presentation of the JRD Tata Award for Business Ethics to a distinguished person, and the setting up of the JRD Tata Chair in Business Ethics in XLRI for promotion of research in this field.

"We are extremely happy to have Father Frank Brennan

XLRI in Jamshedpur

to deliver the oration and inspire our students with his thought-provoking words. XLRI has always given priority to the importance of pursuing an ethical code of conduct in the corporate world. XLRI is the first B-school in the country to introduce a core course on managerial ethics for human resource management and business management programmes," the director said.

Among those who are expected to attend the oration include T.V. Narendran, chairman, Board of Governors, XLRI, and managing director, Tata Steel; Father Abraham, director of XLRI; Ashis K. Pani, dean of academics; and Father Oswald Mascarenhas, JRD Tata Chair Professor of Business Ethics at XLRI.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 1 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

From farming oyster mushrooms to marketing Sabar handicraft, live social projects are honing biz skills

XLRI students on mission make-it-happen

XLRI students feed hungry children in Jamshedpur as a part of their project with Helping Hearts Foundation. Telegraph picture

OUR CORRESPONDENT

If you are a do-gooder with a bunch of feasible ideas, but lack the business acumen to promote and sustain them, XLRI will be happy to help.

The Social Initiative Group for Managerial Assistance (SIGMA), an outfit of students of the premier B-school, has begun harnessing their knowledge in business management and human resource management to steer live social projects in the right direction from the current academic year.

"It is a unique concept. In the past, SIGMA has worked with nonprofits, but, this is the first time that students will be actively involved in bringing about social change. They will be responsible for making projects sustainable," said Atul Kumar Singh, secretary of the outfit and a final-year student of XLRI.

According to Atul, there are many local voluntary organisations who develop products and services, but lack marketing skills. "For instance, if nonprofits working with handicraft artisans are unable to nurture their business, it is the poor artisans who bear the brunt. This is where XLRI students come in," he said.

So far this year, three student teams have worked with as many nonprofits. The 40-odd students were involved in farming and marketing oyster mushrooms in association with Shramjivi Unnayan; feeding the hungry in Jamshedpur and adjoining areas along with Helping Hearts Foundation; and promoting Sabar handicraft with Ambalika, an NGO based in Seraikela-Kharsawan.

Elaborating on how the system works, Atul said voluntary organisations were required to send their project details to XLRI. The details are forwarded to the email accounts of 360 business management and human resource management students by SIGMA.

"Anyone interested in doing a live project needs to fill up a form. Likeminded students team up for a common project. SIGMA co-ordinates the programme, acting as a bridge between XLRI teams and nonprofits," maintained the student functionary.

While wannabe managers gain real-time experience by working on such projects, voluntary outfits profit from their youthful proficiency. The XLRI group of 11 working with Helping Hearts Foundation is even mobilising resources and generating funds for the organisation.

"The best part of this unique programme is that students have the freedom to choose their projects. Moreover, it is not done under the pressure of good grades. We are hoping more students will get involved," said Atul.

Founded in 2002, SIGMA is one of the most reputable committees dedicated to social cause on campus. It works "for the greater good", which again is the mission statement of XLRI. The group organises a host of activities like blood donation camps, Daan Utsav and the annual social entrepreneurship conference.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 28 November 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 7

Lucky charm

Xavier School of Management, Jamshedpur, celebrated its annual management summit Ensemble 2016 recently, with great fervour. The three-day event saw participation from 4000 teams for 40 events. Singer Lucky Ali closed the event with a mesmerising performance.

XXCE MONDAY 28 NOVEMBER 2016

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 14 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

XLRI fest ends

■ Ensemble, the three-day XLRI fest, concluded on Sunday, with the B-school winning most events among the 22.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 6 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

Ideas to start start-ups

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur, Nov. 5: Aspiring entrepreneurs got real-time business lessons from distinguished experts at XLRI today.

Organised for the third time by the Entrepreneurship Cell of the premier B-school, the day-long event, IdeaKon, enlightened over 200 students from five colleges about various challenges of running start-ups.

The distinguished panel of speakers included Rajat Tuli, founder-director of Happily Unmarried; Angshuman Bhattacharya, founder-CEO of SIBIA Analytics; Faisal Ahmad, founder-CEO of BIS Research; Balaji Viswanathan, founder of Zingfin; Amit Sahu, co-founder of JustRide and Saurabh Kocchar, CEO of foodpanda.

Amit Sahu of JustRide, a technology aggregator in the business of self-drive car rentals, shared his journey. "It is very important to create a risk-taking attitude among aspiring entrepreneurs, which can be done only when one has considered the worst possible scenario," he said.

Balaji Viswanathan of Zingfin, which is a financial research and visualisation portal providing financial data for stocks, said that one must have conviction before opening a start-up.

Students also interacted with the experts and shared their concerns.

"The objective behind organising IdeaKon is to bring variety to the platform and facilitate healthy talks to encourage students and other business institutes in starting their own ventures," said Mayank Choudhary, an XLRI student from the Entrepreneurship Cell.

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 3 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

Entrepreneurs to share success stories at IdeaKon '16

PNS ■ JAMSHEDPUR

The entrepreneurship cell (E-Cell) at XLRI is all set to organise, IdeaKon'16, the biggest entrepreneurship event in the city on November 5. IdeaKon is a speaker series cum networking event aimed at promoting the spirit of entrepreneurship among the youth and motivating them to take the road less travelled.

The theme for IdeaKon'16 is "Creating order out of chaos". At the summit every speaker takes the audience through his journey and the bull and bear moments of starting a venture. The budding entrepreneurs generally do not get adequate guidance to nurture their idea and convert it into a successful venture.

The experiences of successful business leaders will give students the sunlight to grow the idea tree and will provide them with directions to follow the footprints of the mavericks.

IdeaKon will thus help them to polish their ideas and put things in order.

IdeaKon will be conducted this Saturday at the XLRI campus. The event will start at 2 pm and will continue till 7pm. The event is divided into two halves. The first part is the speaker series, wherein renowned entrepreneurs will engage the audience with their insightful experiences.

The second part is an interactive session where enthusiastic students can engage with the speakers and seek their valuable guidance. The speakers come from diverse industries ranging from travel to food to analytics.

The professors of XLRI will also be present at the summit to provide aspirants with their unparalleled industry experience and business acumen.

IdeaKon'16 will see speakers Saurabh Kochar: India Head, Food Panda, Balaji Viswanathan: popularly known as the Quora man, Amit Sahu: Cofounder Justride.com, Rajat Tuli: Founder-Happily married, Faisal Ahmad: CEO and Founder-BIS research and Angshuman Bhattacharya: Founder-Sibia Analytics and Consulting Services.

IdeaKon is an annual event conducted every year by E-Cell, XLRI. It was an unprecedented success last year with the speaker panel including renowned names such as Sharad Kumar (Co-Founder & Director at Fashionove.com) and Jaspreet Singh Saluja (Founding member of housing.com).

PUBLICATION: The Telegraph
DATE:27 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

Expert talks sustainable growth at XLRI

Oz teacher focus on culture & character

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur, Nov. 26: The answer to economic and political problems lies in the profound truths and insights of the religious traditions of the country, believes professor of law, Australian Catholic University, Father Frank Brennan.

He was speaking on "The Placement of International Law in Seeking Sustainable Development for India: Some Ethical Reflections" during the 25th annual JRD Tata Oration on business ethics at XLRI today.

"No matter what economic, political and legal problems are being confronted by modern India, these can be addressed better by considering the profound truths of all the religious traditions that represent the country. International laws can not provide answers to the issues regarding the sustainable development in India," said Fr Brennan.

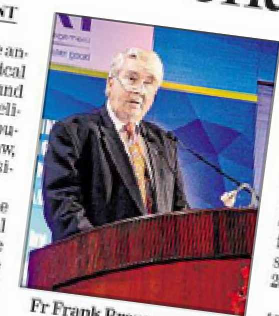

Fr Frank Brennan at JRD Tata Oration in XLRI, Jamshedpur, on Saturday. Picture by Bhola Prasad

He stressed on value addition from the national culture, corporate ethos and personal character. "No matter how well developed the regulatory machinery in a country is, how elaborate the constitutional separation of powers and the legislative provisi[ons] for accountability is, there [wi]ll always be a place for va[lue] addition from the national [cul]ture, corporate ethos and [per]sonal character. There i[s a] need to create the right co[rpo]rate ethos and an appropr[iate] environment, particularly [in a] country which was ranked [...] in the World Bank Group's [ea]se of doing business index 2016," said the professor.

"There are piecemeal [in]ternational developme[nts] which should assist Indian [cit]izens and decision maker[s at] the cabinet table and in bo[ard]rooms to make better i[nfo]rmed choices, as per your [reli]gion, tradition, corporate [cul]ture and noblest of senses," Brennan concluded.

The session was also [at]tended by XLRI board of [gov]ernors chairman and MD, [Ta]ta Steel, T.V. Narendran w[hile] XLRI director Father E. A[braham] welcomed the guests.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 29 November 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

As expected, XLRI survey reveals wide information gap

Labourers unaware of govt schemes

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

[illegible]